

उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण को नई रफ्तार, 40 परियोजनाओं को एलओसी; पूर्वांचल और मध्यांचल बन रहे विकास के नए केंद्र

पूर्वांचल में वरुण बेवरेजेस और सीपी मिल्क से लेकर मध्यांचल में आईटीसी, बालाजी वेफर्स और हल्दीराम तक—बड़े ब्रांडों ने बढ़ाया यूपी के फूड प्रोसेसिंग सेक्टर पर भरोसा

लखनऊ 12 अगस्त: उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण और इससे जुड़े उद्योगों का विस्तार तेजी से हो रहा है। प्रदेश में **40 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को लेटर आफ कम्फर्ट (LOC) जारी** किए गए हैं। खास बात यह है कि इनमें **पूर्वांचल और मध्यांचल की 21 से अधिक परियोजनाएं** शामिल हैं, जो पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण, पेय पदार्थ, डेयरी और इससे जुड़े विनिर्माण उद्योगों के नए केंद्र के रूप में उभरने को दर्शाती हैं।

पूर्वांचल में 10 परियोजनाएं हैं, जिनके जरिए प्रयागराज, अमेठी, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, बाराबंकी और देवरिया जैसे जिलों में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिल रही है। प्रमुख निवेशकों में वरुण बेवरेजेस शामिल है, जिसकी प्रयागराज, अमेठी और गोरखपुर क्षेत्र में परियोजनाएं हैं। इससे पूर्वी यूपी में पेय पदार्थ निर्माण के इकोसिस्टम को मजबूती मिल रही है। वहीं सीपी मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट्स गोरखपुर में अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रही है। बनासकांठा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स (अमूल) की वाराणसी में डेयरी परियोजना भी इस क्षेत्र में बढ़ते निवेश का अहम उदाहरण है। इसके अलावा **रसिक रिफ्रेशमेंट और फॉरएवर डिस्टिलरी** जैसी कंपनियां भी पूर्वांचल में अपनी परियोजनाएं स्थापित कर रही हैं।

पूर्वांचल में इन परियोजनाओं का विस्तार किसानों, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला, लॉजिस्टिक्स और संगठित विनिर्माण के बीच मजबूत कड़ियां विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विभिन्न जिलों में निवेश का प्रसार प्रदेश में औद्योगिक विकास को पारंपरिक औद्योगिक केंद्रों से आगे ले जाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

वहीं **मध्यांचल 12 परियोजनाओं के साथ खाद्य प्रसंस्करण के एक प्रमुख ग्रोथ कॉरिडोर के रूप में उभर रहा है**। वरुण बेवरेजेस, आईटीसी, बालाजी वेफर्स और हल्दीराम जैसी बड़ी कंपनियों की हरदोई में परियोजनाएं जिले को उभरते फूड प्रोसेसिंग हब के रूप में स्थापित कर रही हैं। **एचएल एग्रो प्रोडक्ट्स** कानपुर देहात में विस्तार कर रही है, जबकि **रेडिको खेतान** और डालमिया चीनी मिल्स सीतापुर में कृषि आधारित औद्योगिक इकोसिस्टम को मजबूत कर रही हैं। क्षेत्र में यूनाइटेड ब्रेवरीज़, ग्लोबस स्प्रिट्स, नील श्री शुगर और आरएसपीएल लिमिटेड की परियोजनाएं भी शामिल हैं।

इन परियोजनाओं को जारी LOC उत्तर प्रदेश की **निवेशक-केंद्रित औद्योगिक नीति** को दर्शाते हैं। कंपनियों को उनकी जरूरतों के अनुरूप **कस्टमाइज्ड इंसेंटिव और नीतिगत सहयोग** उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे नई इकाइयों की स्थापना, मौजूदा इकाइयों के विस्तार और कारोबार में विविधता को बढ़ावा मिल रहा है।

विशाल कृषि आधार, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत औद्योगिक बुनियादी ढांचे और निवेश-अनुकूल नीतियों के साथ उत्तर प्रदेश **जिला-आधारित खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्टम** विकसित कर रहा है। इससे कृषि उत्पादों में वैल्यू एडिशन, रोजगार सृजन और प्रदेश की **एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था** के लक्ष्य को गति मिलने की उम्मीद है।
